an>

Title: Regarding accepting to the demand of the teachers in Chhatisgarh.

श्री ताम्रध्वज साहू (दुर्ग) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा विषय शिक्षा कर्मियों का संविलियन है। पूरे देश में शिक्षा कर्मियों द्वारा पढ़ाई के अतिरिक्त चुनाव, जनगणना जैसे अनेक कार्य लिए जाते हैं। छत्तीसगढ़ में नियमित शिक्षकों की भर्ती बंद है। शिक्षा कर्मी ही प्राचार्य, व्याख्याता, शिक्षक का कार्य कर रहे हैं। उन्हें पंचायत कर्मी कहा जाता है। वेतन बहुत ही कम मिलता है। परिवार चलाना मुश्किल हो जाता है।

इनकी प्रमुख मांग संविलियन की होती है। कई साल बीत जाने के बाद भी छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा इनकी मांग का निराकरण नहीं किया गया है। शिक्षा कर्मी हड़ताल पर हैं। शिक्षा सत्र में सरकार की हठधर्मिता के कारण अधिकांश समय पढ़ाई नहीं हो पाती। छात्र-छात्राओं का पढ़ाई का स्तर गिरता जा रहा है।

मैं केन्द्र सरकार से आग्रह करता हूं कि इस गंभीर प्रकरण पर निजी तौर पर संज्ञान लेते हुए शिक्षा कर्मियों की मांगों को पूरा करने का कष्ट करेंगे। धन्यवाद।